तुम हो बड़े दगाबाज़ कान्हा | By Sashi Sachdeva

तुम हो बड़े दगाबाज़ कान्हा
दिल मेरा लुट गया आज कान्हा
कहाँ नहीं ढूंढा तुझे ओ छलिये
हर गली में हर मधुबन में
तुम हो बड़े दगाबाज़ .....

वो प्यारी प्यारी तेरी नजरिया
मासूम तेरा वो भोलापन
जब तन का देखूं माने ना मन
दर्शन को तेरे तड़पे है मन
कहाँ नहीं ढूंढा तुझे ओ छलिये
हर गली में हर मधुबन में
तुम हो बड़े दगाबाज़ .....

मैं तेरी राधा तू मेरा मोहन
नज़रो का जादू असर कर गया
एक झलक तू दिखला दे कान्हा
दिल को चुरा के कहाँ छुप गया
कहाँ नहीं ढूंढा तुझे ओ छलिये
हर गली में हर मधुबन में
तुम हो बड़े दगाबाज़ .....

तुझ बिन जी ना लगे अब हमारा
दासी बना लो चरणों की
तेरे ही रंग में ऐसी रंगी
सुध बुध रही ना मुझे अपनों की
कहाँ नहीं ढूंढा तुझे ओ छलिये
हर गली में हर मधुबन में
तुम हो बड़े दगाबाज़ .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%ac%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9/